संजीवनी पब्लिक स्कूल, दत्त नगर
विषय: हिन्दी, कक्षा दसवीं

पुस्तक: कृतिका
अंक भार: 6

पाठ - 1 माता का आँचल
लेखक:- शिव पूजन सहाय

प्रश्न 1. लेखक बचपन में अपने पिता के सम्पर्क में बहुत कार्य करता था। वह उनके साथ क्या-क्या कार्य करता था? आप अपने पिता के सम्पर्क में क्या-क्या काम करते हैं? लिखिए।

उत्तर 1. लेखक बचपन में काफी समय अपने पिता के सम्पर्क में बीताता था। पिता बड़े सवेरे निबट-नहाकर पूजा करने बैठ जाते थे। लेखक भी बचपन से ही उनके संग लग गया था। माता से तो केवल दूध पीने तक ही नाता था। वह पिता के साथ ही बाहर की बैठक में सोता था। पिता ही उसे अपने साथ उठाते और नहला-धुला कर पूजा पर बिठा लेते थे। पिता उसके चौड़े ललाट (माथे) पर त्रिपुंड या तिलक लगा देते थे। लेखक के सिर पर लंबी-लंबी जटाएँ तो थीं ही अतः वह 'बम भोला' बन जाता था। पूजा के बाद वह पिता के कंधे पर बैठ कर गंगा तक जाता था; जहाँ पिता मछलियों को आटे की गोलियाँ खिलाया करते थे। वापसी में पेड़ों की डालों पर झूला भी झूलते थे। इस प्रकार लेखक पिता के साथ काफी समय व्यतीत करता था।

मैं भी अपने पिता के सम्पर्क में कुछ समय अवश्य बिताता हूँ/ बिताती हूँ। मैं उनके साथ प्रातः काल का नाश्ता करता हूँ। रात्री में वे मुझे पढ़ाते हैं। मैं उनसे बातचीत करके अपनी हर समस्या का हल भी पूछता हूँ। वे मुझे बहुत प्यार करते हैं। मैं भी उनका बहुत सम्मान करता हूँ।

प्रश्न 2. 'माता का आँचल' पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है, वह आपकी दुनिया से किस तरह भिन्न है?

उत्तर 2. प्रस्तुत पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है उसमें 19वीं शती के ग्रामीण जन-जीवन के सामान्य भावों

Page 1

Scanned with CamScanner

दिखाया गया है। आज 21वीं शती में हमारे ग्राम भी आधुनिक सुविधाओं का पूरा लाभ उठा रहें हैं। अतः हमारे बचपन की दुनिया सर्वथा भिन्न है। हमारी दुनिया में विभिन्न प्रकार के खेल-खिलौने हैं। हमारे बचपन में हमारे पास टी०वी है, कंप्यूटर है, वीडियो गेम्स है। इस पाठ के बच्चें खेलने के लिए - चिलम के खमोंचे पर ढेलों की मिठाई बेचना, पत्तों की पूरी - कचौरियाँ बेचना, पैसों के लिए जस्ते के टुकड़ों का प्रयोग करना, ठीकरों के बट्टे बनाना, नकली घर बनाकर नकली ज्योनार (दावत) का खेल भी खेलते थे। कभी वे बारात का जुलूस निकालते थे। फसल उगाने का खेल भी खेला जाता था। ये सभी अपने समय के अनुरूप उपयुक्त भी था।

आज हमारें जीवन में हमारे हर कार्य में आधुनिकता दिखाई देती है। खेलने के खिलौने, कम्प्यूटर, पढ़ने के लिए अनेक प्रकार के साधन उपलब्ध हैं।

प्रश्न 3. लेखक और उसके साथी मूसन तिवारी को बहुत चिढ़ाते और तंग करते थे। कैसे? क्या आप भी ऐसे किसी व्यक्ति को तंग करते हैं? आप इसे किस रूप में लेते हैं?

उत्तर 3. लेखक के गाँव में एक बूढ़े व्यक्ति थे - मूसन तिवारी। उन्हे दिखाई भी कम देता था। गाँव के बच्चें उन्हे यह कह कर चिढ़ाते थे- 'बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा'। सभी बच्चे बार-बार गा कर उन्हे चिढ़ाते थे। वे बच्चों को मारने के लिए उनके पीछे भागते थे। बच्चे भाग जाते थे और उनके हाथ नहीं आते थे। कभी-कभी वे बच्चों के स्कूल तक शिकायत करने पहुँच जाते थे। स्कूल में इनको डाँट-फटकारा जाता था।

मैंने और मेरे साथियों ने कभी किसी बूढ़े व्यक्ति को परेशान नहीं किया। मैं तो बुजुर्ग लोगो का सम्मान और उनकी मदद करता हूँ। मेरा मानना है कि हमे उनका जीवन सुविधा

Scanned with CamScanner

जनक बनाने का प्रयास करना चाहिए। न कि उन्हे तंग करने का प्रयास करना चाहिए।

प्रश्न 4. माता का आँचल पाठ में बच्चें का जुड़ाव अपने पिता से अधिक था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता था। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?

उत्तर 4. बच्चे का अपने पिता के साथ अधिक जुड़ाव था। वह रात के सोने से लेकर दिन के सभी कार्यों में पिता के ही साथ जुड़ा रहता था।

इसके बावजूद भी जब कहानी के अंत में बच्चें पर विपदा आई। साँप निकल आने के कारण बच्चा बेतहाशा भागा और गिर गया, और उसकी सारी देह लहूलुहान हो गई थी। तब वह पिता की पुकार को अनसुना कर माँ की शरण में चला गया। माँ ने ही उसके घावों पर हल्दी पीस कर लगाई। वह माँ के आँचल में दुबकता चला गया। परन्तु पिता की गोद में नहीं गया।

हमारी समझ इसकी यह वजह हो सकती है कि बच्चा विपदा के समय स्वयं को माँ की गोद में सर्वाधिक सुरक्षित अनुभव करता है।

प्रश्न 5. बच्चें अपने माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे व्यक्त करते है? आप अपने माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे प्रकट करते हो?

उत्तर 5. पाठ का बच्चा अपने माता-पिता के प्रति प्रेम निम्न प्रकार से व्यक्त करता है:- 1. वह पिता की लंबी-लंबी मूँछें उखाड़ता है। 2. वह बाँए गाल का खट्टा और दाँए गाल का मीठा चुम्मा देता है। 3. वह माँ की गोद में दुबक कर अपना प्रेम प्रकट करता है।

मैं अपने माता-पिता के प्रति प्रेम निम्न प्रकार से प्रकट करता/करती हूँ।

1. मैं माता-पिता का आदर-सम्मान करके प्रेम प्रकट करता हूँ।
2. उनकी आज्ञा का पालन करता हूँ।
3. उनकी हर इच्छा का सम्मान करके उनसे प्रेम भरी बातें करके।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

संजीवनी पब्लिक स्कूल
कक्षा : दसवीं, विषय : हिन्दी
दत्त कार्य
पुस्तक : क्षितिज
पाठ : 1 पद
कवि : सूरदास
काव्य खंड पर आधारित
प्रश्नोत्तर

काव्यांश 1

संकेत : ऊधौ तुम - - - ज्यों पागी

प्रश्न :- 1. कवि और कविता का नाम बताओ।
उत्तर : कवि - सूरदास
कविता - पद

प्रश्न 2 :- काव्यांश की भाषा बताओ।
उत्तर 2 :- काव्यांश की भाषा शुद्ध ब्रजभाषा है।
प्रश्न 3 :- गोपियाँ किसे भाग्यवान बता रही हैं?
उत्तर 3 :- गोपियाँ उद्धव को भाग्यवान बता रही हैं।
प्रश्न 4 :- उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है। और क्यों
उत्तर 4 :- उद्धव के व्यवहार की तुलना निम्न से की गई है।

1. कमल के पत्ते से :- जिस प्रकार कमल का पत्ता जल में रह कर उसके प्रभाव से अछूता बना रहता है, उसी प्रकार ऊधौ भी श्री कृष्ण के निकट रह कर भी उसके प्रभाव से अछूता बना रहता है।
2. तेल लगी गागरी से :- तेल लगी गागरी को यदि तालाब में डाला जाए और निकालने

Page 1

Scanned with CamScanner

के बाद उस पर पानी की एक बूँद नहीं ठहरती यही स्थिति उद्धव की है जो श्री कृष्ण रूपी प्रेम नदी में रह कर भी उसके प्रभाव से अछूते रहते हैं।

प्रश्न 5 गोपियों ने अपने मन की वेदना और स्थिति के बारे में क्या कहा है?

उ० 5 गोपियों ने अपनी स्थिति गुड़ पर चिपटियों के समान बताई है जिस प्रकार गुड़ पर चिपकी चिटियों को अलग नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार गोपियों कृष्ण के प्रेम से अलग नहीं किया जा सकता है। अतः गोपियाँ श्री कृष्ण के वियोग की वेदना को निरन्तर सहन कर रही हैं।

प्रश्न 6 गोपियाँ किसे बड़भागी बताती हैं, और क्यों?

उत्तर 6 गोपियाँ उद्धव को व्यंग्य में बड़भागी बता रही हैं। बड़भागी का अर्थ होता है, भाग्यवान। बड़भागी कहने में वक्रोक्ति अलंकार है, जिसमें कहा कुछ जाता है और उसका वास्तविक अर्थ कुछ और ही होता है। इसमें गोपियाँ उद्धव को भाग्यवान बता कर भाग्यहीन बताना चाहती हैं क्योंकि वह श्री कृष्ण के निकट रह कर भी उसके प्रेम से अछूते हैं, तो यह दशा उसकी भाग्यहीनता को

Scanned with CamScanner

काव्यांश 2:

संकेत 2:- मन की मन - - - लही ॥

प्रश्न1. गोपियों के मन की क्या इच्छा थी? और वह अधूरी क्यों रह गई?

उत्तर:- प्रेम गोपनीय होता है, इसके बारे में केवल उसे ही बताया जा सकता है, जिस से व्यक्ति प्रेम करता है। गोपियाँ तो श्री कृष्ण के आने की प्रतीक्षा कर रही थी कि कृष्ण आएँगे और उनके मन की बात सुनेंगे। परन्तु उद्धव के आने से उनकी बात उनके मन में ही रह गई।

प्रश्न2. 'सूरदास अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उ० २ प्रेम की एक मर्यादा होती है कि प्रेमी के दुख को दूर करने के लिए दूसरे प्रेमी को ही आना पड़ता है या प्रेम संदेश भेजना होता है परन्तु गोपियों के प्रेमी श्री कृष्ण ने इस मर्यादा का पालन नहीं किया। उन्होंने उद्धव को भेज कर मर्यादा का उल्लंघन किया है, अतः अब गोपियों के पास धीरज धारण करने का कोई कारण नहीं है।

प्रश्न3. काव्यांश में से अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण छांट कर लिखिए।

उत्तर अवधि अधार आस आवन की।

काव्यांश 3:

संकेत 3:- हमारे हरि - - - चकरी।

प्रश्न4. हारिल की लकरी किसे कहा गया है, और क्यों?

Page 3

Page No.
Date

उत्तर हारिल एक ऐसा पक्षी होता है जो आसमान में एक लकड़ी के सहारे उड़ता है। वह अपने पंजों में लकड़ी को दबा कर रहता है और उसे लगता है कि वह इसी लकड़ी के सहारे आसमान में उड़ रहा है। गोपियाँ भी स्वयं को हारिल पक्षी के समान और श्री कृष्ण को हारिल की लकड़ी के समान मानती है जिसके सहारे वह विचरण कर रही है।

प्रश्न काव्यांश के आधार पर गोपियों की स्थिति कैसी है?

उत्तर गोपियों की स्थिति श्री कृष्ण के विरह में ऐसी हो गई है कि गोपियां सोते-जागते दिन-रात, सपने में भी श्री कृष्ण के नाम की रट लगाए रहती है।

प्रश्न गोपियों को योग कैसा लगता है? और क्यों?

उत्तर गोपियों को योग कड़वी ककड़ी जैसा लगता है। योग की बात सुनकर गोपियों को ऐसा लगता है, जैसे उनके मुंह में कड़वी ककड़ी चली गई हो, जिसे निगला नहीं जा सकता उस तो थूकना ही पड़ता है।

प्रश्न गोपियों के अनुसार योग साधना कैसे लोगों के लिए उपयोगी है।

उत्तर गोपियों के अनुसार योग साधना ऐसे लोगों के लिए उपयोगी है, जिनके मन चकरी के समान चंचल होते हैं,

Page-4

Page No. ____
Date

काव्यांश 4

संकेत :- हरि हैं — — — सताए ॥

प्रश्न गोपियाँ यह क्यों कहती हैं कि श्री कृष्ण ने राजनीति सीख ली है।

उत्तर श्री कृष्ण पहले से ही चतुर थे। अब उन्होंने उद्धव के साथ योग-संदेश भेज कर राजनीतिक चाल चली है। वह भी राजनीतिज्ञों के समान ही कहना कुछ और करना कुछ वाली चाल ही चल रहे हैं

प्रश्न गोपियों को श्री कृष्ण की बुद्धि के विषय में कैसा लगता है?

उत्तर गोपियों को लगता है कि श्री कृष्ण ने राजनीति के बड़े-बड़े ग्रन्थ पढ़ लिए हैं जिसके कारण उनकी बुद्धि और भी बढ़ गई है। उद्धव द्वारा योग संदेश भिजवाना उनकी बढ़ी हुई बुद्धि का ही परिचायक है।

प्रश्न गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होता है?

उत्तर गोपियों के अनुसार राजा का धर्म होता है प्रजा का पालन करना। राजा को प्रजा को सताना नहीं चाहिए।

अभ्यास प्रश्नोत्तर :

प्रश्न1. गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है?

उत्तर गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में यह व्यंग्य निहित है कि वे कृष्ण के निकट रह कर भी उनके प्रेम से सर्वथा

मुक्त है। वे कृष्ण प्रेम के बंधन से साफ बचे हुए हैं। उनके मन में कृष्ण के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं हुआ। यह स्थिति उद्धव के भाग्यशाली हो सकती है, परन्तु गोपियों के लिए नहीं।

प्रश्न ४ उद्धव के व्यवहार की तुलना किस किस से की गई है?

उत्तर काव्यांश -1 के प्रश्न 4 का उत्तर लिखो।

प्रश्न ३ गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए?

उत्तर गोपियों ने निम्न उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए।

1. गोपियों के व्यवहार को तेल लगी गागरी और कमल के पत्ते के समान बताया है।

2. उसे श्री कृष्ण के निकट रह कर भी प्रेम से अछूता रहने के कारण नीरस बता कर उलाहना दिया।

3. उनके योग संदेश को कड़वी ककड़ी बता कर उलाहना दिया

प्रश्न 4. उद्धव द्वारा दिए गए योग संदेश ने गोपियों की विरह अग्नि में घी का काम कैसे किया?

उत्तर गोपियाँ तो श्री कृष्ण के प्रेम में व्याकुल थी और इसी आशा अपना जीवन निर्वाह कर थी कि एक दिन श्री कृष्ण अवश्य आएंगे और उनके दुख को दूर करेंगे। श्री कृष्ण ने अपने स्थान पर

की विरहाग्नि में घी का काम किया।

प्रश्न 5 मरजादा न लही के माध्यम से कौन सी मर्यादा के न रहने की बात कही गई है।

उत्तर काव्यांश - 2 का प्रश्न 1 वाला उत्तर लिखो।

प्रश्न 6. कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया।

उत्तर गोपियों ने कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को निम्न प्रकार से अभिव्यक्त किया है:

1. गोपियाँ स्वयं को गुड़ से चिपकी हुई चिंटियों के समान बताती हैं जिन्हें श्री कृष्ण प्रेम से अलग नहीं किया जा सकता।
2. गोपियाँ स्वयं को हारिल पक्षी के समान बताती हैं और श्री कृष्ण को हारिल की लकड़ी के समान बताती है।
3. गोपियाँ दिन-रात, सोते-जागते, सपने में भी श्री कृष्ण नाम की रट लगाए रहती हैं।

प्रश्न 7 गोपियों ने उद्धव को योग की शिक्षा कैसे लोगो को देने की बात कही है।

उत्तर काव्यांश 3, प्रश्न-4 का उत्तर लिखना है।

प्रश्न 8. प्रस्तुत पदों के आधार पर गोपियो का योग साधना के प्रति दृष्टिकोण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर काव्यांश 3 प्रश्न 3 का उत्तर लिखो।

Page 7

Scanned with CamScanner

Page No. ______
Date

प्रश्न 9 गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होता है?

उत्तर काव्यांश - 5 प्रश्न - 3 का उत्तर लिखो।

प्रश्न 10 गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन से परिवर्तन दिखाई देते हैं जिसके कारण वे अपना मन वापिस पा लेने की बात कहती हैं।

उत्तर गोपियों को कृष्ण में निम्न परिवर्तन दिखाई देते हैं।

1. अब कृष्ण सरल और भोले न रह कर राजनीतिज्ञ हो गए हैं।

2. अब वे राजधर्म की उपेक्षा करके अन्याय भी करने लगे हैं।

3. श्री कृष्ण गोपियों का दिल चुरा कर ले गए हैं, और फिर मिलने भी नहीं आए हैं।

प्रश्न 11 गोपियों के वाक्चातुर्य की विशेषताएँ बताइए

उत्तर गोपियों के वाक्चातुर्य में निम्नगुण पाए जाते हैं।

1. तार्किकता :- वे तर्कपूर्ण उत्तर दे कर उद्धव को शांत करा देती हैं।

2. वचनवक्रता :- गोपियाँ अपने वक्र वचनों से उद्धव के तर्कों को काट देती हैं।

3. व्यंग्यात्मकता :- गोपियाँ उद्धव पर करारे व्यंग्य करती हैं, वे श्री कृष्ण पर भी राजनीति के ग्रंथ पढ़ने का व्यंग्य करती हैं।

4. सरलता :- उपरोक्त सभी गुण होने भी उनका व्यवहार बहुत सरल था।

Page-8

Scanned with CamScanner